# ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष-18 | अंक- 15 | नवम्बर -I | ( पाक्षिक ) | माउण्ट आबू | Rs. 10.00


## व्यापार एवं उद्योग के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस एवं मेडिटेशन रिट्रीट

# व्यवहार में अध्यात्म को नज़रअंदाज़ करने से बढ़ते हैं कष्ट

**ज्ञानसरोवर।** ब्रह्माकुमारीज़ के व्यापार एवं उद्योग प्रभाग द्वारा आयोजित त्रिदिवसीय सम्मेलन में उद्घाटन सत्र को सम्बोधित करते हुए मुम्बई से आए प्रख्यात

हृदयरोग विशेषज्ञ डॉ. विवेक मोहन ने कहा कि अध्यात्म के महत्व को नज़रअंदाज़ करने से जीवन में कष्टप्रद परिस्थितियों से गुज़रने को मजबूर होना पड़ता है। भौतिक सुखों के साधन बढ़ रहे हैं लेकिन जीवन मूल्य अपेक्षाकृत कम हो रहे हैं। झूठ, कपट, पाप के वातावरण को बदलने के लिए जीवन में सत्यता और पवित्रता की धारणा करने की प्रेरणा को किसी भी हालत में किनारे नहीं करना चाहिए।

मुंबई कैमिकल एंड शिपिंग के सी.ई.ओ.,एम.डी. रूचिर पारिख ने कहा कि विकटतम परिस्थितियों में शाश्वत सत्य को सामने रखते हुए स्वयं को अध्यात्म से जोड़ना

आवश्यक हो गया है। अध्यात्म एकमात्र ऐसा मार्ग है जो हर परिस्थिति में स्वयं को सम्बल देने में सक्षम है। वर्तमान परिवेश के प्रतिस्पर्धात्मक युग के व्यापारिक क्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिए सिद्धांतों के अनुसार निर्धारित लक्ष्य को सामने रखकर किया गया कार्य फलीभूत होता है। कैसी भी चुनौतियों में वो हमें अपनी मंज़िल की ओर बढ़ने की शक्ति प्रदान करता है और जीवन सुकून भरा बना रहता है।

प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. योगिनी ने कहा कि सत्य धर्म को सबसे बड़ा धर्म मानते हुए स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन के अभियान में मनसा-वाचा-कर्मणा अपना अमूल्य योगदान देना चाहिए। समूचे विश्व में भारत की विविधता में एकता की परिपाटी की मिसाल अपने आप में अहम है।

जयपुर से आए प्रसिद्व उद्योगपति एम.एल. शर्मा ने कहा कि ब्रह्माकुमारी संगठन द्वारा दिया जा रहा प्रेम व सद्भाव का संदेश जीवन में धारण कर उसे व्यवहार में लाने से व्यापारिक क्षेत्र की हर चुनौती का सामना करना सुगम हो जाता है। इस तरह के कार्यक्रम से व्यवसाइयों व उद्योगपतियों को व्यापारिक क्षेत्र में सफल होने के सूत्र अवश्य मिलेंगे। जिससे देश भर से आए प्रतिनिधियों को अपने जीवन में परिवर्तन लाने की भी प्रेरणा मिलेगी।

कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए ब्र.कु. सुरेन्द्र, एम.एल. शर्मा, डॉ. विवेक मोहन, ब्र.कु. योगिनी बहन, रूचिर पारिख, ब्र.कु. गीता बहन तथा ब्र.कु. मोहन।

प्रभाग की मुख्यालय संयोजिका ब्र.कु. गीता ने कहा कि संसार को सकारात्मक दिशा देने में व्यापारियों व उद्योगपतियों का बहुमूल्य योगदान होना चाहिए। अध्यात्म के सिद्धांतों को बारीकी से समझकर अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने में प्राथमिकता देनी चाहिए। मुम्बई से आए मोहन भाई पटेल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान से हर परिस्थितियों का सामना करने की शक्ति एवं आदर्श जीवन जीने की कला सीखने को मिलती है। मुम्बई से आए ब्र.कु. हरीश, ब्र.कु. नम्रता, ब्र.कु. अमृता आदि ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के मध्य में सभी को राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति भी कराई गई।

# नयी पीढ़ी को संस्कारित बनाने के लिए शिक्षा में मूल्यों का समावेश

## शिक्षाविदों के सम्मेलन में जुटे भारत तथा नेपाल से हज़ारों शिक्षाविद

**शांतिवन।** जिस देश की शिक्षा उत्कृष्ट नहीं है वहाँ का समाज उत्कृष्ट नहीं बन सकता। प्राचीन काल से भारतीय शिक्षा दुनिया भर में अच्छे संस्कारों के लिए जानी जाती है। नयी पीढ़ी को संस्कारवान बनाना है तो शिक्षा में नैतिक मूल्यों को जोड़ना होगा। उक्त विचार राजस्थान सरकार के श्रम, कौशल एवं नियोजन मंत्री जसवंत सिंह यादव ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारी संस्था के शांतिवन में आयोजित शिक्षाविदों के सम्मेलन में उपस्थित लोगों को सम्बोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भारत देश संस्कारों का देश कहा जाता है। यहाँ की पारिवारिक संरचना हमेशा अन्य देशों की तुलना में सुदृढ़ रही है। परन्तु वर्तमान समय मूल्यों जो गिरावट आयी है वह वाकई चिंताजनक है। इसके लिए ब्रह्माकुमारीज़ का शिक्षा प्रभाग जिस तरह से बच्चों के लिए कार्य कर रहा है, ऐसे प्रायोजन पूरे देशभर में युवाओं के लिए करने की ज़रूरत है। यहाँ के लोगों का मूल्यनिष्ठ जीवन इसका सशक्त उदाहरण है।

संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने कहा कि परमात्मा की जो शिक्षा मनुष्यों के लिए है वह सबसे अच्छी और श्रेष्ठ है। इसे जीवन में धारण करने के लिए सिर्फ खुद को और ईश्वर को सही अर्थों में जानने की ज़रूरत है।

प्रभाग के अध्यक्ष ब्र.कु. निर्वैर ने कहा कि हमारा प्रयास है कि ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को नैतिक मूल्यों की शिक्षा मिले और लोग अपना जीवन श्रेष्ठ बना सकें।

अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद नई दिल्ली के अध्यक्ष प्रो. डॉ. अनिल सहस्त्रबुधे ने कहा कि आजकल के युवाओं को सही रास्ते पर ले जाने के लिए जीवन में अच्छे गुणों का होना ज़रूरी है। इससे ही हम सही और सभ्य समाज बना सकेंगे।

कार्यक्रम में प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक डॉ हरीश शुक्ला, प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय ने भी अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए स्कूलों में शिक्षा के साथ साथ मूल्यों के समावेश के बारे में भी सोचने की अत्यन्त आवश्यकता है।

इस अवसर पर शिक्षा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक डॉ आर.पी. गुप्ता, शिक्षा एवं मूल्य पाठ्यक्रम के निदेशक ब्र.कु. पांड्यामणि, ब्र.कु. सुमन समेत कई लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

शिक्षाविदों की विशाल सभा को सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी। साथ हैं राजयोगी ब्र.कु. निर्वैर, राज्यमंत्री जसवंत सिंह यादव, प्रो. डॉ. अनिल सहस्त्रबुधे, राजयोगी ब्र.कु. मृत्युंजय तथा डॉ. हरीश शुक्ला।